भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

06.04.2017 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला तारांकित प्रश्न संख्या *368.

यूरेनियम का उत्पादन और आयात

*368. श्री लाल सिंह वडोदिया :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में कितने मीट्रिक टन यूरेनियम का उत्पादन होता है और परमाणु ऊर्जा के उत्पादन के लिए इसकी सालाना कितनी आवश्यकता होती है;

(ख) विदेशों से कुल कितनी मात्रा में यूरेनियम का आयात किया जाता है और उन देशों के नाम क्या-क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने यूरेनियम के मामले में आत्मनिर्भर बनने के लिए कोई योजना बनायी है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) से
(घ) तक सदन के पटल पर एक विवरण प्रस्तुत है।

* * * * * * *

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग

'यूरेनियम का उत्पादन और आयात' के बारे में दिनांक 06.04.2017 को श्री लाल सिंह वडोदिया द्वारा राज्य सभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या 368 के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) देश में यूरेनियम के उत्पादन को उजागर करना जनहित में नहीं है । वर्तमान दाबित भारी पानी रिएक्टरों (पीएचडब्लूआर) [220 मेगावाट ई क्षमता के 16 रिएक्टर तथा 540 मेगावाट ई क्षमता के 2 रिएक्टर] की प्रचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिवर्ष लगभग 860 मीटरिक टन यूरेनियम की आवश्यकता होती है । इसी प्रकार, 2 क्वथन जल रिएक्टरों (बीडब्लूआर) के प्रचालन के लिए 16 मीटरिक टन समृद्ध यूरेनियम की आवश्यकता होती है ।

(ख) असैन्य नाभिकीय सहयोग के बाद वर्ष 2009 से आज तक फ्रांस, रूस, कज़ाकिस्तान तथा कनाडा से लगभग 7810 मीटरिक टन प्राकृतिक यूरेनियम तथा लगभग 100 मीटरिक टन समृद्ध यूरेनियम का आयात किया गया है।

(ग) जी, हाँ। परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम यूरेनियम कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड देश में यूरेनियम अयस्क के खनन तथा संसाधन से जुड़ा हुआ है । परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि) ने देश में नाभिकीय विद्युत उत्पादन में कई गुणा वृद्धि करने की योजना बनाई है, जिसके लिए देश में अगले 15 वर्षों (2031-32 तक) में लगभग दस गुणा यूरेनियम का उत्पादन प्राप्त करने के लिए यूरेनियम के उत्पादन में क्रमिक वृद्धि की जानी होगी ।

(घ) सरकार ने नई खदानों तथा संसाधन सुविधाओं को खोलकर घरेलू यूरेनियम आपूर्ति का संवर्धन करने के लिए उपाय किए हैं । पऊवि की एक संघटक यूनिट, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (पखनि), जिसका अधिदेश यूरेनियम के खनिज संसाधनों की पहचान करना, उसका मूल्यांकन करना तथा उसे स्थापित करना है, ने उच्च विभेदन वायवीय भू-भौतिकी सर्वेक्षण, हायपर-स्पेक्ट्रल सुदूर संसूचन, उच्च-क्षमता हाइड्रोस्टेटिक ड्रिलिंग तथा आधुनिकतम प्रयोगशाला यंत्रों आदि जैसी अद्यतन प्रौद्योगिकी का उपयोग करके अन्वेषण गतिविधियों में विशिष्ट वृद्धि कर यूरेनियम संसाधन की वृद्धि करने के लिए व्यापक योजना तैयार की है ।

परमाणु ऊर्जा विभाग का एक सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम, यूरेनियम कार्पोरेशन आफॅ इंडिया लिमिटेड वर्तमान में, झारखंड राज्य में सात यूरेनियम खानों (बगजाता, जादूगोड़ा, भाटिन, नरवापहाड़, तुरामडीह, बंडुहुरंग तथा मोहुलडीह) तथा दो संसाधन संयंत्रों (जादूगोड़ा और तुरामडीह संयंत्र) का प्रचालन कर रही है । तुम्मलापल्लै, आंध्रप्रदेश में खदान तथा संयंत्र का निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है और यह कमीशनन के अंतिम चरण में है। व्यापक विस्तार के लिए यूसीआईएल ने एक योजना की रूपरेखा तैयार की है, जिसमें वर्तमान सुविधाओं से संधारणीय आपूर्ति बनाए रखना, देश के विभिन्न भागों में कुछ यूनिटों की क्षमता का विस्तार और नए उत्पादन केन्द्रों (खानों एवं संयंत्रों) का निर्माण शामिल है । परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (पखनि) द्वारा विभिन्न भू-गर्भीय बेसिनों में पहले से ही चिह्नित किए गए संसाधनों को ध्यान में रखकर, झारखंड, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान और मेघालय में यूसीआईएल के मुख्य उत्पादन केन्द्रों की स्थापना की योजना है ।

****